गीतार्थ गंगा

Gitarth Ganga - Jain Religious Research Institute
5, Jain Merchant Soc., Fatehpura Road,Paldi, Ahmedabad 380007.
(Ph.) 079-26604585,26614585 , Email gitarthganga@yahoo.co.in

क्रमांक : 857 **ता.** 01/02/2023

प्रति श्री : सूरेन्द्रसूरीश्वरजी जैन तत्त्वज्ञानशाळा

विषय : पुस्तक भेंट स्वरुपमे प्राप्त हेतु

सादर प्रणाम,

प्रावचनिक प्रभावक षड्दर्शनविशारद प. पू. मुनिप्रवर श्री मोहजितविजयजी म. सा. तथा उनके पट्टधर वर्तमानश्रुतमर्मज्ञाता, धर्मतीर्थसंरक्षक,गच्छाधिपति प. पू. आचार्य भगवंत श्रीमद्विजय युगभूषणसूरीश्वरजी महाराजा (पंडित म. सा.) के मार्गदर्शन में हमारी संस्था सन् 1992 में स्थापित हुई है।

उपलब्ध श्रुतज्ञान का दोहन करके संलग्न शास्त्रपाठों से युक्त 10,008 विषयों का समृद्ध विशाल ज्ञानकोष का सर्जन करना संस्था का मुख्य लक्ष्य हैं। यहलक्ष्य के साथ साथ संस्था में ज्ञानभंडार का भी निर्माण हुआ है, जिसमें 1,25,000 से अधिक पुस्तकें/प्रतें उपलब्ध हैं। जिसके कारण पू. साधु-साध्वीजीभगवंतों को स्वाध्याय, संशोधन हेतु, ग्रंथ सुलभता से प्राप्त होते हैं।

आपके /आपकी संस्था द्वारा प्रकाशित निम्नलिखित पुस्तक/प्रत/मेगेझिन हमारे ज्ञानभंडार को भेट स्वरूप में भेजिये और साथ में आपके द्वारा प्रकाशितपुस्तक/प्रत/मेगेझिन की सूचि भी भेजिये ऐसी नम्र विनंती है।

- अपेक्षित पुस्तक / प्रत की सूचि -

क्रम	नाम	नकल
1	आनंदघन चोवीसी	1
2	तत्त्वार्थाधिगम सूत्र	1
3	भव आलोचना	1
4	रत्नत्रयी उपासना (हिन्दी - आराधना संग्रह)	1
5	वर्धमानशक्रस्तव	1

गीतार्थ गंगा

Gitarth Ganga - Jain Religious Research Institute
5, Jain Merchant Soc., Fatehpura Road,Paldi, Ahmedabad 380007.
(Ph.) 079-26604585,26614585 , Email gitarthganga@yahoo.co.in

क्रम	नाम	नकल
6	श्रीपाल राजा का रास	1
7	सम्यकत्व मूल बार व्रतनी जाणकारी	1
8	सुवर्णाक्षरीय श्रीकल्पसूत्रम् (बारसासूत्रम्) सचित्रम्	1

कुल : 8

गीतार्थ गंगा वती,

विशाल शाह (079-26604585 / 26614585)
(Time : 10:30 - 06:30)